बेहयाई - दो मुह वाला आदमी

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बेहयाई - बदज़ुबानी

{१} तिर्मेजी; रावी हज़रत अबु द्दरदा रदी. खुलासा;- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- की सब्से वज़नी चीझ जो कयामत के दिन मोमिन की मीज़ान (तराज़ू) में रखी जाएगी वो उस्का हुसने अखलाक होगा. और अल्लाह उस शख्स को बहुत ही नापसन्द करता है जो ज़ुबान से बेहयाई की बात निकालता और बदज़ुबानी करता है. "खलकुन हसनुन" की तशरीह करते हुवे अब्दुल्लाह बिन मुबारक ने कहा है अच्छा अखलाक ये है की आदमी जब किसी से मिले तो हंसते हुवे चेहरे से मिले, और अल्लाह के मुहताज बन्दों पर माल खर्च करे, और किसी को तकलीफ ना दे.

{२} मिश्कात; रावी हज़रत अली रदी. खुलासा;- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- की गंदी बात करने वाला और गंदी बातों को फैलाने वाला ये दोनों गुनाह बराबर है.

दो मुह वाला आदमी (दोरूखापन)

{१} बुखारी व मुस्लिम; रावी हज़रत अबू हुरैरा रदी. खुलासा;- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- की तुम कयामत के दिन सब्से बुरा आदमी उस शख्स को पाओगे जो दुनिया में दो चेहरे रखता था, कुछ लोगों से एक चेहरे के साथ मिलता था, और दूसरे लोगों से दूसरे चेहरे के साथ. दो आदमियों या दो गिरोहों में जब दुश्मनी उभरती है तो हर जगह कुछ लोग ऐसे भी पाए जाते है जो दोनों के पास पहुंचते है और दोनों की हां में हां मिलाते और उन्की आपस की दुश्मनी को बातें बना कर और हवा देते है, ये बहुत बडा ऐब है. इसी तरह कुछ लोग सामने तो बडे गहरे संबंध का इज़हार करत है मगर जब वो चला जाता है तो उस्की बराई करनी शुरू कर देते है ये भी दोरूखापन है.

{२} अबू दाउद; रावी हज़रत अम्मार रदी. खुलासा;- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- जो शख्स दुनिया में दोरूखापन करेगा तो कयामत के दिन उस्के मुंह में आग की दो जुबाने होंगी. कयामत के दिन उस्के मुंह में आग की दो जुबाने इसलिए होंगी की दुनिया में उस्के मुंह से आग निकलती थी जो दो आदमियो के आपसी संबंध को जलाती थी.